हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 15)(गीत – केदारनाथ अग्रवाल)
(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

कविता से

क:

कवि फूलों, गीतों और विद्या की खेती क्यों करना चाहता है ?

क:

कवि फूलों गीतों और विद्या की खेती इसलिए करना चाहता है जिससे कि वह पूरे हिन्दुस्तान में ज्ञान प्रेम और सौहार्द का वातावरण बना सके ।

ख:

इसी जन्म में, इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा।
इसमें किसे मान मिलने की बात कही गई है?

ख:

इसमें हिन्दुस्तान को मान मिलने की बात कही गई है ।

ग:

कविता की कुछ पंक्तियाँ छाँटकर लिखो जिनसे पता लगता है कि कवि को इस बात पर पूरा भरोसा है कि एक दिन सबको मान मिलेगा।

ग:

इसी जन्म में,
इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा।

घ:

कविता में कवि बार–बार मान मिलने की बात करता है। मान मिलने से हमारे–तुम्हारे जीवन में क्या बदलाव आएगा?

घ:

मान मिलने से हमारा जीवन सुखमय और गरिमामय हो जाएगा । और पूरी दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ेगा ।

प्रश्न 2:

समझाना

नीचे कविता में से कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। बताओ, इन पंक्तियों का क्या अर्थ हो सकता है?

क:

दीप बुझे हैं जिन आँखों के
उन आँखों को ज्ञान मिलेगा।

क:

जहॉ अज्ञानता है वहॉ ज्ञान ही ज्ञान होगा ।

ख:
क्लेश जहाँ है, फूल खिलेगा।
ख:
देष में जहॉ–जहॉ लड़ाई –झगड़े हो रहे हैं वहॉ सुख और षांति के फूल खिल जाएंगे ।

ग:
हमको तुमको प्रान मिलेगा।
ग:
हम सबको एक नई जिंदगी नया सवेरा मिलेगा ।

प्रश्न 4: रिक्त स्थान पूरे करो
नमूना
वह मोर सा नाचता है।
क:
लक्की.....की तरह गरजता है।
क:
बादल

ख:
सलमा.....की तरह दौड़ती है।
ख:
हिरन

ग:
मेघाश्री की आवाज .....की तरह मीठी है।
ग:
कोयल

घ:
मनीष के कान .....की तरह तेज है।
घ:
मोर

प्रश्न 5:

इन शब्दों की रचना देखो ।

अनुमान, अपमान

ये शब्द 'मान' शब्द में 'अनु' और 'अप' उपसर्ग लगाकर बनाए गए हैं। इसी प्रकार तुम भी 'मान' शब्द में कुछ दूसरे उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाओ।

उत्तर 5:

कीर्तिमान

गतिमान

प्रतिमान